

नहीं है और निर्यात के लिये लाइसेंस देने और विदेशी मुद्रा के नियंत्रण करने का प्रश्न नहीं उत्पन्न।

Woolen Industry in Ludhiana

78. SHRI BABURAO PATEL: Will the Minister of COMMERCE be pleased to state:

(a) whether Government are aware of the possibility of complete ruin of Ludhiana's small-scale woolen manufacturers as a result of the setting up of large scale hosiery plants; and

(b) if so, how Government propose to protect Ludhiana's small-scale woollen industry?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF COMMERCE (SHRI MOHD. SHAFI QURESHI): (a) Government are not aware of any proposal to set up new large hosiery plants. The hosiery industry in Ludhiana has all along consisted of small, medium and big units, and size has not affected its efficiency. The quota which was given to these units on the basis of consumption is, however, being progressively reduced in the case of the bigger units with a view to narrow the existing gap between the minimum and maximum quotas.

(b) Does not arise.

दक्षिण मध्य रेलवे के तिलाटी स्टेशन पर मालगाड़ी की दुर्घटना

79. श्री श्रीकार लाल बेरवा : क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि 2 जनवरी, 1968 को दक्षिण मध्य रेलवे में तिलाटी रेलवे स्टेशन पर एक मालगाड़ी दुर्घटनाग्रस्त हो गई थी जिसमें इंजन के ड्राइवर और उसके साथी की घटना स्थल पर ही मृत्यु हो गई थी, और

(ख) यदि हां, तो दुर्घटना के क्या कारण थे ?

रेलवे मंत्री (श्री बे० मु० पुनाबा) :

(क) जी हां इस दुर्घटना में ड्राइवर और सहायक ड्राइवर की मृत्यु हो गयी थी। अन्य किसी व्यक्ति की मृत्यु नहीं हुई।

(ख) दुर्घटना के कारण की जांच की जा रही है। लेकिन जाहिरा तौर पर ऐसा प्रतीत होता है कि दुर्घटना रेल कर्मचारियों की गलती के कारण हुई थी।

हाथरस स्टेशन का लूटा जाना

80. श्री श्रीकार लाल बेरवा : क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि 1 जनवरी, 1968 को डाकुओं ने हाथरस स्टेशन को लूटा, स्टेशन मास्टर और अग्निस्टेन्ट स्टेशन मास्टर को घायल किया तथा नकदी तथा टिकट लेकर भाग गये; और

(ख) यदि हां, तो तत्सम्बन्धी ब्यौरा क्या है ?

रेलवे मंत्री (श्री बे० मु० पुनाबा) :

(क) और (ख). 28-12-67 की रात को पूरा स्टेशन पर जो हाथरस से भगला स्टेशन है, डकैती की एक घटना हुई। जिस समय सहायक स्टेशन मास्टर और उनके साथ एक भारिक इयटी पर ये तो देशी पिस्तौल, एक नली वाली बन्दूक और लाटियों से लैस चार व्यक्ति 00.40 बजे के लगभग सहायक स्टेशन मास्टर के कार्यालय में घूस घ्राये और तिजौरी की चाबियां मांगने लगे। डर के मारे स्टेशन मास्टर ने टिकट-ट्यूब की चाबि य हवाले कर दीं। टिकट-ट्यूब में 27 रुपये 70 पैसे थे। उसके बाद डकैतों ने पिछली तारीख में इकट्ठा हुई नकदी की मांग की, जिसे भेजा नहीं गया था। जब सहायक स्टेशन मास्टर ने कहा कि उसके पास और कोई चाबी नहीं है तो उस पर लाठी का वार किया गया और उसकी बर्दी उतरवा ली गयी। उसके बाद,